दीक्षांत समारोह में 704 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

देशप्राण संवाददाता

रांची, 6 मई : झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन चेरी-मनातू स्थित विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में शुक्रवार को संपन्न हुआ। समारोह में 2020 से अब तक के कुल 704 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। इनमें कुल 28 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और एक विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया और 27 शोध विद्यार्थियों ने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इस बार कुलाधिपति पदक से गणित विभाग की स्वर्ण पदक विजेता प्रतीशा मिश्रा को सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार की शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा

देवी उपस्थित थीं।

शिक्षा राज्य मंत्री ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी स्नातक एवं पीएचडी डिग्री धारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना एक संदेश है कि विद्यार्थी उनकी तरह ही तेजस्वी बनें और जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। उन्होंने कहा कि यह गर्व कि बात है कि झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपना उन्नत स्वरूप ग्रहण कर रहा है। यहां के छात्र एवं शिक्षक केवल पठन-पाठन ही नहीं बल्कि अनुसंधान के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला झारखंड का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में अपना नाम करने वाली संस्थाओं की श्रृंखला में झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भी नाम जुड़ गया है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने स्वागत वक्तव्य के रूप में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान कुलपति ने यह घोषणा की कि विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स की भी शुरूआत की गयी है, जिसकी अध्यक्षता महिमा सेक्ट के कवि, दार्शनिक संत भीमा भोई करेंगे। दीक्षांत समारोह की विशेष बात यह भी रही कि संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया। इसमें सभी डिग्रीधारक एवं अकादमिक परिषद के सदस्य पारंपरिक परिधान में थे।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में शामिल हुई केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

झारखंड केन्द्रीय विवि का उन्नत स्वरूप ग्रहण करना गर्व की बातः अन्नपूर्णा देवी

एक संदेश संवाददाता

रांची: केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा है कि झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपना उन्नत स्वरूप ग्रहण कर रहा है, यह बड़े ही गर्व की बात है। यहां के छात्र एवं शिक्षक केवल पठन-पाठन ही नहीं बल्कि अनुसंधान के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने उक्त बात शुक्रवार को आयोजित केन्द्रीय विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी डिग्री धारियों को शुभकामनाए देते हुए कहा कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना एक संदेश है कि विद्यार्थी उनकी तरह ही तेजस्वी बनें और जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय नयी शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला झारखण्ड का पहला विश्वविद्यालय बन गया है।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने

स्वागत वक्तव्य के रूप में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान कुलपति ने यह घोषणा की कि विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स की भी शुरुआत की गयी है जिसकी अध्यक्षता महिमा सेक्ट के कवि, दार्शनिक संत भीमा भोई करेंगे।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में दो नए शोध केंद्र स्थापित किये गये हैं जिसमें बिरसा मुंडा सेंटर ऑफ इंडिजिनस नॉलेज एंड सस्टेनेबल डेव्लपमेंट एवं सेंटर फॉर एनवायरनमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस शामिल हैं। द्वितीय दीक्षांत समारोह में 2020 से अब तक के कुल 704 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। इनमें कुल 28 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और एक विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया और 27 शोध विद्यार्थियों ने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इस बार कुलाधिपति पदक से गणित विभाग की स्वर्ण पदक विजेता प्रतीशा मिश्रा को सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह की विशेष बात यह भी रही कि संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार प्रो. एसएल हरिकुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

याज्ञवलक्य के साथ गार्गी भी दे रहीं भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में योगदान : अन्नपूर्णा देवी

भारतीय परंपरा से हुआ सीयूजे का दीक्षांत समारोह 28 विद्यार्थियों को मिला स्वर्ण पदक

खबर मंत्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि विद्यार्थी जगत गुरु आदि शंकराचार्य की तरह ही तेजस्वी बनें। जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ ही छात्राएं भी बड़ी संख्या में अध्ययन कर रही हैं। यह दशार्ता है कि याज्ञवलक्य के साथ ही गार्गी भी भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रही हैं। नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय राज?य का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। देश.विदेश में नाम करने वाली संस्थाओं की श्रृंखला में इसका नाम भी जुड़ गया है। वह 6 मई को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख?य अतिथि बोल रही थीं। समारोह का आयोजन चेरी.मनातू स्थित विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित और विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धि एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। कुलपति ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय द्वारा डॉ अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की भी शुरूआत की गयी हैए जिसकी अध्यक्षता महिमा सेक्ट के कविए दार्शनिक संत भीमा भोई करेंगे। उन्होंने हिन्दू धर्म में व्याप्त जाति व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज मुखर की थी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में दो नए शोध केंद्र स्थापित किये गये हैंए जिसमें बिरसा मुंडा सेंटर ऑफ इंडिजिनस नॉलेज एंड सस्टेनेबल डेव्लपमेंट और सेंटर फॉर एनवायरनमेंटए सोसाइटी एंड गवर्नेंस शामिल हैं।

द्वितीय दीक्षांत समारोह में वर्षए 2020 से अब तक के 704 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। इनमें 28 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और एक विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया एवं 27 शोध विद्यार्थियों ने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इस बार कुलाधिपति पदक से गणित विभाग की स्वर्ण पदक विजेता प्रतीशा मिश्रा को सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह के संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया। सभी डिग्रीधारक एवं अकादमिक परिषद के सदस्य पारंपरिक परिधान में थे। विश्वविद्यालय की ओर से सभी डिग्रीधारकों एवं अकादमिक परिषद के सदस्यों के लिए पारंपरिक उत्तरीय की व्यवस्था की गयी थी। शैक्षणिक शोभा यात्रा भी भारतीय परंपरा के अनुसार शंखनाद के साथ निकाली गयी। रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार ने धन्यवाद दिया।

May 2022.pdf - Read only

सीयूजे के दीक्षांत समारोह में 704 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

याज्ञवलक्य के साथ गार्गी भी दे रहीं भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान : मंत्री अन्नपूर्णा देवी

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

सीयूजे का दीक्षांत समारोह संपन्न, शिक्षा राज्य मंत्री के हाथों 27 पीएचडी एवं 28 स्वर्ण पदक विजेता हुए सम्मानित

रांची : झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन चेरी-मनातू स्थित विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में शुक्रवार को संपन्न हुआ। समारोह में 2020 से अब तक के कुल 704 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। इनमें कुल 28 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और एक विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया और 27 शोध विद्यार्थियों ने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इस बार कुलाधिपति पदक से गणित विभाग की स्वर्ण पदक विजेता प्रतीशा मिश्रा को सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार की शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी उपस्थित थीं। शिक्षा राज्य मंत्री ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी स्नातक एवं पीएचडी डिग्री धारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना एक संदेश है कि विद्यार्थी उनकी तरह ही तेजस्वी बनें और जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। उन्होंने कहा कि यह गर्व कि बात है कि झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपना उन्नत स्वरूप ग्रहण कर रहा है। यहां के छात्र एवं शिक्षक केवल पठन-पाठन ही नहीं बल्कि अनुसंधान के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला झारखंड का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में अपना नाम करने वाली संस्थाओं की श्रृंखला में झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भी नाम जुड़ गया है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने स्वागत वक्तव्य के रूप में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान कुलपति ने यह घोषणा की कि विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स की भी शुरुआत की गयी है, जिसकी अध्यक्षता महिमा सेक्ट के कवि, दार्शनिक संत भीमा भोई करेंगे । दीक्षांत समारोह की विशेष बात यह भी रही कि संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया। इसमें सभी डिग्रीधारक एवं अकादमिक परिषद के सदस्य पारंपरिक परिधान में थे।

सीयूजे के दूसरे दीक्षांत समारोह में 27 पीएचडी और 28 स्वर्ण पदक विजेताओं को किया गया सम्मानित

झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छात्र शिक्षा के साथ अनुसंधान के क्षेत्र में भी बढ़ रहे हैं आगे: अन्नपूर्णा

स्वदेश ✍संवाददाता

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन चेरी-मनातू स्थित विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में शुक्रवार को हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी स्नातक, परास्नातक और पीएचडी डिग्री धारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना एक संदेश है कि विद्यार्थी उनकी तरह ही तेजस्वी बनें और जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। उन्होंने कहा कि यह गर्व कि बात है कि झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपना उन्नत स्वरूप ग्रहण कर रहा है। यहां के छात्र और शिक्षक केवल पठन-पाठन ही नहीं बल्कि अनुसंधान

के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ ही छात्राएं भी बड़ी संख्या में अध्ययन कर रही हैं जो यह दशार्ता है कि याज्ञवलक्य के साथ ही गार्गी भी भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रही हैं। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए प्रतिबद्धता के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला झारखंड का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में अपना नाम करने वाली संस्थाओं की श्रृंखला में झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भी नाम जुड़ गया है। कार्यक्रम में सीयूजे कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने स्वागत वक्तव्य के रूप में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान कुलपति ने यह घोषणा की कि विश्वविद्यालय की ओर डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स की भी शुरूआत की गयी है जिसकी अध्यक्षता महिमा सेक्ट के कवि, दार्शनिक संत भीमा भोई करेंगे । उन्होंने हिन्दू धर्म में व्याप्त जाति व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज मुखर की थी । कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में दो नए शोध केंद्र स्थापित किये गये हैं जिसमें बिरसा मुंडा सेंटर ऑफ इंडिजिनस नॉलेज एंड सस्टेनेबल डेव्लपमेंट एवं सेंटर फॉर एनवायरनमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस शामिल हैं। द्वितीय दीक्षांत समारोह में 2020 से अब तक के कुल 704 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। इनमें कुल 28 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और एक विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया और 27 शोध विद्यार्थियों ने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इस बार कुलाधिपति पदक से गणित विभाग की स्वर्ण पदक विजेता प्रतीशा मिश्रा को सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह की विशेष बात यह भी रही कि संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया जिसमें सभी डिग्रीधारक और अकादमिक परिषद के सदस्य पारंपरिक परिधान में थे। विश्वविद्यालय की ओर से सभी डिग्री धारकों और अकादमिक परिषद के सदस्यों के लिए पारंपरिक उत्तरीय की व्यवस्था की गयी थी। शैक्षणिक शोभा यात्रा भी भारतीय परंपरा के अनुसार शंखनाद के साथ निकाली गयी। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार प्रो एस एल हरिकुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

like auto/auto ancillary, tele-com/ISP and FMCG also with Coimbatore leading the race once again by showing cent compared to a year ago. of the Guwahati Medical on 14 May, 2022." presence and they can regarding the demise of a of the retirees.

Morning India
For tv, epaper and news visit: www.live7tv.com
03 Ranchi, Saturday 7 May, 2022

CUJ convocation concluded, 27 PhD and 28 gold medalists honored

Central Univ has become the first one in state to implement the New Education Policy: Annapurna

RANCHI: Minister of State for Education, Government of India Annapurna Devi said that organizing convocation ceremony on the occasion of birth anniversary of Jagat Guru Adi Shankaracharya is a message that the students should become as brilliant as Jagat Guru and spread the light of their knowledge in the world. She was addressing students on the occasion of second convocation ceremony of Jharkhand Central University held on Friday at Cheri-Manatu, Ranchi.

While congratulating all the graduates, masters and PhD degree holders she said that it is a matter of pride that Jharkhand Central University is taking its advanced form. The students and teachers here are not only progressing in the field of education but also in the field of research.

She said that a large number of students are studying in the university as well as girl students, which shows that along with Vajnavalakya, Gargi is also contributing in furthering the Indian tradition of knowledge. Minister congratulated the University for its Commitment to the students belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes. She said that it is a matter of pride that Jharkhand Central University has become the first university in Jharkhand to implement the New Education Policy 2020. She said that the name of Jharkhand Central University has also been added to the chain of institutions which have made their name in the country and abroad.

The program started with the Kulgeet of the University by lighting the lamp by the Chief Guest. Vice Chancellor Prof. Kshiti Bhushan Das presented a report about the achievements and future plans of the university as a welcome statement. During this, the Vice Chancellor announced that Dr. Ambedkar Center of Excellence has also been started by the university, which will be headed by the poet, philosopher saint Bhima Bhoi of Mahima Sect. He had voiced his concerned over the caste system prevalent in Hinduism.

The Vice Chancellor said that two new research centers have been set up in the University which includes Birsa Munda Center of Indigenous Knowledge and Sustainable Development and Center for Environment, Society and Governance.

A total of 704 students from 2020 till now were awarded degrees in the second convocation. A total of 28 students were awarded gold medals and one student was awarded the Chancellor's medal and 27 research students got doctorate degrees. The Chancellor's Medal was awarded to the gold medalist Pratisha Mishra of the Department of Mathematics.

The special thing about the convocation ceremony was that the entire program was organized according to the Indian tradition, in which all the degree holders and members of the academic council were in traditional clothes. Registrar Prof. K. K. Harikumar proposed the vote of thanks.

तेजस्वी बनें, अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं

सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड के दूसरे दीक्षा समारोह में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया संबोधित

जासं, रांची : सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड के दूसरे दीक्षा समारोह का आयोजन शुक्रवार को चेरी-मनातू स्थित सीयूजे परिसर में हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार की शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी उपस्थित रहीं। भारतीय परंपरा को बेजोड़ नजारा पेश करते सीयूजे के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम की शुरुआत शंखनाद से की। चारों तरफ फैली शंख की ध्वनि से माहौल भव्य व आनंदमय हो गया। मुख्य अतिथि अन्नपूर्ण देवी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी यूजी पीजी एवं पीएचडी डिग्री धारियों को शुभकामनाएं देते कहा कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना एक संदेश है कि विद्यार्थी उनकी तरह ही तेजस्वी बनें। जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। उन्होंने कहा कि याज्ञवलक्य के साथ ही गार्गी भी भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रही हैं। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए प्रतिबद्धता के लिए सीयूजे को बधाई दी।

28 छात्र छात्राओं को गोल्ड तो एक को मिला चांसलर मेडल

शिक्षा राज्य मंत्री के हाथों 27 पीएचडी एवं 28 स्वर्ण पदक विजेता सम्मानित

मंत्री ने कहा-भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने की हो रही कोशिश

झारखंड केन्द्रीय विवि के दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडलिस्ट के साथ केन्द्रीय राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी • जागरण

सीयूजे में अच्छी पढ़ाई का नतीजा है कि आज गोल्ड मेडल से नवाजा गया है। फिलहाल आईटी सेक्टर में कार्यरत हूं।
- **सौरव कुमार**, गोल्ड मेडलिस्ट।

एप्लायड फिजिक्स में तो कई शोध कार्य चल रहे हैं। इसका उपयोग लगातार हो रहा है। साबित होगा। इस विषय में गोल्ड मेडल हर्ष की बात है।- **ऋषिका कोमर**, गोल्ड मेडलिस्ट।

वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट में गोल्ड मेडल मिलने के बाद हमारी जिम्मेवारी बढ़ी है। इस क्षेत्र में जल्द ही शोध कार्य कर जनहित के लिए काम करुंगा।- **शकीबुल हसनैन**, गोल्ड मेडलिस्ट।

वासलर मेडल मिलना मेरे लिए बेहद सुखद क्षण है। माता पिता के साथ साथ गुरुजनों का आभार....। गणित की पढ़ाई यदि नियमित रुप से की जाए तो बेहद आसान है। - **प्रतीशा मिश्रा**, गोल्ड मेडलिस्ट सह चांसलर मेडलिस्ट।

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में गोल्ड मेडल मिलने की खुशी है तो चुनौती को पार करने का लक्ष्य भी सामने है। सोलर इनर्जी आगामी दिनों का उर्जा विकल्प है। इसका बेहतर रिजल्ट हमें मिलेगा।
- **मोनिका शैलेश**, गोल्ड मेडलिस्ट।

विवि कुलगीत से हुई दीक्षा समारोह की शुरुआत

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर विवि के कुलगीत से हुई। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने विवि की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में वहां मौजूद लोगों को जानकारी दी। कुलपति ने यह घोषणा की कि विवि द्वारा डा अंबेडकर सेंटर आफ एक्सीलेंस की शुरुआत की गई है। जिसकी अध्यक्षता महिमा सेक्टर के कवि, दार्शनिक संत भीमा भोई करेंगे। उन्होंने हिन्दू धर्म में व्याप्त जाति व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज मुखर की थी। कुलपति ने कहा कि विवि में दो नए शोध केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिसमें बिरसा मुंडा सेंटर आफ इंडिजिनस नालेज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट एवं सेंटर फार एनवायरनमेंट सोसाइटी एंड गवर्नेंस शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विवि में 07 नए सोशल स्टडीज व पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्सेस की शुरुआत की गई है। जिसका लाभ यहां के स्थानीय लोगों व जनजातीय को मिलेगा।

prabhatkhabar.com
प्रभात खबर
रांची, शनिवार 07.05.2022

लाइफ @ रांची

जर्नलिज्म जिंदगी का

सीयूजे के दूसरे दीक्षा समारोह में मेडल और उपाधि पानेवाले विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी.

सीयूजे का दूसरा दीक्षा समारोह : केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा

इस उपाधि को औपचारिकता नहीं, बल्कि दायित्व समझें

28 टॉपरों को दिया गया गोल्ड मेडल, इनमें 21 छात्राएं शामिल

01 छात्रा को चांसलर मेडल से नवाजा गया

27 पीएचडी धारकों और 704 विद्यार्थियों को प्रदान की गयी डिग्री

गोल्ड मेडल पाकर खिले छात्राओं के चेहरे. »

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा है कि दीक्षा समारोह में उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थी इसे सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि इसे एक दायित्व समझें. मिशन को आपसे अपेक्षा है कि आप अपने आचरण, ज्ञान और व्यवहार से अपने चरित्र को निर्धारित करें कि जिस गुरुकुल से शिक्षा प्राप्त की है, वहां अच्छे संस्कार व ज्ञान मिले हैं. औरों को दूर करने का लक्ष्य तैयार करें. जो ज्ञान मिला है, उसके सम्मान करें और जिस ज्ञान को प्राप्त करना चाहते हैं, उसे अपनी क्षमता में शामिल करें. श्रीमती अन्नपूर्णा शुक्रवार को केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के दूसरे दीक्षा समारोह को संबोधित कर रही थीं.

दीक्षा समारोह के दौरान 28 टॉपरों को गोल्ड मेडल दिया गया. इनमें 21 छात्राएं शामिल हैं. इन्हीं में से एक छात्रा को चांसलर मेडल से नवाजा गया. वहीं, 27 पीएचडी धारकों और 704 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गयी. केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि यह बहुत ही खुशी की बात है कि पूरे झारखंड में सीयूजे नयी शिक्षा नीति-2020 लागू करनेवाला पहला विवि बना है. वहीं 23 विषयों में पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि विवि को जनजातीय समाज के उत्थान के लिए और अधिक कार्य करने हैं. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि इतिहास को ध्यान में रख कर उससे सीखने का प्रयास करें. उन्होंने कहा कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना एक संदेश है कि विद्यार्थी उनकी तरह ही तेजस्वी बनें और जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलायें.

केंद्रीय मंत्री ने कहा : झारखंड में नयी शिक्षा नीति लागू करनेवाला पहला विश्वविद्यालय बना सीयूजे

कुलपति ने कहा : आइआइटी धनबाद, इसरो, जैसे संस्थानों के साथ किया जा रहा एमओयू

विवि गुणवत्तायुक्त शिक्षा व शोध को बढ़ावा देने की ओर अग्रसर : कुलपति

विवि के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने विवि की उपलब्धियों और लक्ष्य की जानकारी देते हुए कहा कि विवि में डॉ आंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सलेंस की शुरुआत की जा रही है. इसकी अध्यक्षता कवि, दार्शनिक संत भीमा भोई करेंगे, जिन्होंने हिंदू धर्म में व्याप्त जाति व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज मुखर की थी. कुलपति ने कहा कि विवि में दो नये शोध केंद्र स्थापित किये गये हैं, जिसमें बिरसा मुंडा सेंटर ऑफ इंडिजिनस नॉलेज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट एवं सेंटर फॉर इनवायरमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस शामिल हैं. विवि गुणवत्तायुक्त शिक्षा व शोध को बढ़ावा देने के लिए आइआइटी धनबाद, इसरो, आइआइटी रुड़की, नाइसर भुवनेश्वर जैसे विशिष्ट संस्थानों के साथ एमओयू कर रहा है. इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने विवि के डिजिलॉकर का शुभारंभ भी किया. समारोह में शामिल सभी फैकल्टी व विद्यार्थी पारंपरिक परिधान में थे. शंखनाद के साथ एकेडमिक प्रोसेशन निकाला गया. धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार डॉ एसएल हरिकुमार ने किया. इस अवसर पर विधायक समरीलाल, रांची विवि की प्रभारी कुलपति प्रो कामिनी कुमार सहित विवि के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित थे.

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

नाम	विषय	नाम	विषय
शिवा चौधरी	एजुकेशन	एडिना घोष	डब्ल्यूइएम
पल्लवी कुंडू	केमिस्ट्री	मेघा	बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
प्रतीक्षा मिश्रा	मैथेमेटिक्स	दीपन पाठक	टीसीएल
शक्तिसुधा दास	फिजिक्स	समीर मिश्रा	इंटीग्रेटेड केमिस्ट्री
शिखाश्री	लाइफ साइंस	सौरभ कुमार	इंटीग्रेटेड मैथेमेटिक्स
मौमिता साहू	इंग्लिश	रितिका कोनार	इंटीग्रेटेड फिजिक्स
सिमरन कुमारी	पीआइआर	मधुस्मिता पात्रा	इंटीग्रेटेड लाइफ साइंस
वगीशा सिंह	मास कॉम	मोनिका रानी	इंग्लिश
भवानी कुमारी	हिंदी	नेहा नंदिनी	इंटीग्रेटेड मास कॉम
आशा कुंकल	वोकल म्यूजिक	मोनिका सेलेश	इंटीग्रेटेड इनर्जी इंजीनियरिंग
स्वाति मिश्रा	इनर्जी इंजीनियरिंग	पंकज कु. ठाकुर	इंटीग्रेटेड इवीएस
अंकित अभिलाष	इवीएस	अनीशा प्रसाद	इंटीग्रेटेड जियोइनफॉरमेटिक्स
नमिता कर्मकार	जियोइनफॉरमेटिक्स	सकीबुल हसनैन	इंटीग्रेटेड डब्ल्यूइएम
कुंदन कुमार यादव	नैनोटेक्नोलॉजी	ईशान भाटिया	इंटीग्रेटेड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन

चांसलर मेडल | **नाम** : प्रतीक्षा मिश्रा | **विषय** : मैथेमेटिक्स

समय के साथ लगातार खुद को नयी जानकारियों से प्रेरित करती रही हूं. उन्हीं की शैक्षणिक ज्ञान को दक्ष बनाने में सहयोगी सिद्ध हुई. आनेवाले समय में जरूरतमंदों का सहयोग करूंगी.

- मेघा, मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन

फिजिक्स विषय को व्यावहारिक जीवन से जोड़ पाती थी, इसलिए इस विषय को चुना. परिवार का सहयोग बना रहा. भविष्य में सिविल सेवा की परीक्षा पूरी कर महिला एवं बाल विकास में काम करना चाहूंगी.

शक्ति सुधा दास, एमएससी फिजिक्स

लेखनी में शुरू से रुचि रही है. यही वजह है कि मैंने पत्रकारिता को करियर विकल्प के रूप पर चुना है. यह व्यापक क्षेत्र है. भविष्य में कंटेंट एडिटर के रूप में खुद को तैयार कर इस क्षेत्र में बेहतर काम करना लक्ष्य होगा.

- वागिशा सिंह, एमए पत्रकारिता

ऊर्जा प्रबंधन वर्तमान समय की जरूरत है. लोगों को ऊर्जा संसाधनों के कम से कम इस्तेमाल के प्रति जागरूक करना होगा. इसके लिए रिसर्च से जुड़कर रिन्यूएबल एनर्जी को कारगर बनाने का काम करूंगी.

- मोनिका सेलेश, इंटीग्रेटेड एमटेक एनर्जी इंजीनियरिंग

टॉपर विद्यार्थियों ने कहा

कोरोना काल में नियमित पढ़ाई कर चुनौतियों को किया पार

कोरोना काल के बीच सब का सामना चुनौतीपूर्ण था. लगातार अस्वस्थ होने की वजह से फाइनल एग्जाम के लिए ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही थी. माता-पिता ने पढ़ाई को लेकर दबाव महसूस नहीं होने दिया. पिता डॉ सुचि रंजन मिश्र बालांगीर ओडिशा में आयुर्वेद के डॉक्टर हैं. वर्तमान में राजेंद्र यूनिवर्सिटी बालांगीर में बतौर गेस्ट फैकल्टी पढ़ा रही हूं. पढ़ाई का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा.

प्रतीक्षा मिश्र, एमएससी मैथेमेटिक्स, चांसलर गोल्ड मेडल

स्कूल के बाद से शिक्षा के क्षेत्र में सेवा देने की ठान चुकी थी, इसलिए बीएड से जुड़ी. वर्तमान में संत फ्रांसिस स्कूल मेसराई स्कूल शिक्षिका हूं. अपने अनुभव से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना लक्ष्य है.

शिवा चौधरी, बीएड

हाइस्कूल के समय से केमिस्ट्री सब्जेक्ट की बॉन्डिंग गहरी होती गयी. इसलिए करियर विकल्प में केमिस्ट्री को चुना. फिर साइंटिस्ट बनना लक्ष्य है. इसके लिए जीएसआइ परीक्षा की तैयारी में जुटी हुई हूं.

पल्लवी कुंडू, एमएससी केमिस्ट्री

नये विषय के रूप में जियोइंफॉर्मेटिक्स से जुड़ी. समय के साथ विषय में रुचि जगने से शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर होता गया. भविष्य में जीआइएस डोमेन एक्सपर्ट के रूप में काम करना चाहूंगी.

- नमिता कर्मकार, एमएससी जियोइंफॉर्मेटिक्स

नये विषय के रूप में लाइफ साइंस पढ़ने का मौका मिला. इस क्षेत्र को और गहराई से समझने के लिए रिसर्च प्रोजेक्ट में शामिल होना लक्ष्य है. इससे मानव जीवन के विकास के पक्ष को समझ सकूंगी.

शिखा श्री, एमएससी लाइफ साइंस

वर्तमान समय में इंग्लिश हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए जरूरी है. भाषा का ज्ञान लोगों तक पहुंचे इसके लिए भविष्य में बीएड करूंगी. इससे शिक्षा के साथ भाषा के विकास में सहयोग करना आसान होगा.

मौमिता साहू, एमए इंग्लिश

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास के मुद्दे हमेशा से आकर्षित करते थे. इसलिए राजनीतिशास्त्र विषय में रुचि जगी. इससे अंतरराष्ट्रीय संबंध के मानकों को समझा. अब अपनी शिक्षा दूसरों तक पहुंचाना लक्ष्य होगा.

सिमरन कुमारी, एमए राजनीतिशास्त्र एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध

आनेवाले दिनों में जल संकट एक चुनौती बनेगी. इसलिए जल प्रबंधन विषय को चुनकर पढ़ाई पूरी की. शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देना चाहूंगी.

- एडिना घोष, एमटेक वाटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट

संगीत में गहरी रुचि रही है. इसलिए संगीत की शिक्षा पूरी की. कला-संस्कृति के क्षेत्र में कुछ बेहतर कर सकूं यही जीवन का लक्ष्य होगा. सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में जुटी हुई हूं.

आशा कुंकल, एमए वोकल म्यूजिक

केंद्रीय विश्वविद्यालय के दूसरा दीक्षांत समारोह का आयोजन, गणित की टॉपर प्रतीशा मिश्रा को मिला चांसलर मेडल

28 को गोल्ड मेडल व 27 को मिली पीएचडी उपाधि

रांची, प्रमुख संवाददाता। केंद्रीय विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के चेरी मनातू स्थित स्थायी परिसर में शुक्रवार को संपन्न हुआ। इसमें इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम के सत्र 2015-2020 व स्नातकोत्तर व स्नातक पाठ्यक्रम के सत्र 2018-20 के उत्तीर्ण 704 विद्यार्थियों को डिग्री अवॉर्ड दी गई, जिनमें से 398 विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की। वहीं, विभिन्न विषयों के 28 टॉपरों को गोल्ड मेडल और 27 शोधार्थियों को पीएचडी डिग्री प्रदान की गई। विशिष्ट अकामिक उपलब्धि के लिए गणित की टॉपर प्रतीशा मिश्रा को चांसलर अवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद थीं। अध्यक्षता कुलपति डॉ क्षिति भूषण दास ने की।

डिजिटल लॉकर नैड लॉन्च : समारोह की शुरुआत अकादमिक शोभा यात्रा से हुई। इनमें मुख्य अतिथि के अलावा कुलपति समेत सभी संकाय के डीन व विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण शामिल हुए। इसके बाद विश्वविद्यालय के डिजिटल लॉकर नेशनल एकेडेमिक डिपॉजिट्री को लॉन्च किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के सभी अकामिक अवॉर्ड, सर्टिफिकेट, विद्यार्थियों की डिग्री डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध होगी।

भारतीय परिधान में डिग्री ली : दीक्षांत समारोह की विशेष बात यह रही कि पूरे कार्यक्रम का आयोजन भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया। जिसमें सभी डिग्री धारक व अकादमिक परिषद के सदस्य पारंपरिक भारतीय परिधान में थे। विश्वविद्यालय की ओर से सभी डिग्री धारकों व अकादमिक परिषद के सदस्यों के लिए पारंपरिक उत्तरीय की व्यवस्था की गई थी। शैक्षणिक शोभा यात्रा भी भारतीय परंपरा के अनुसार शंखनाद के साथ निकाली गई।

प्रतीशा को चांसलर मेडल : गणित विभाग की टॉपर प्रतीशा मिश्रा को चांसलर मेडल दिया गया। प्रतिशत ने बताया कि कोरोना काल के बीच सत्र का समापन चुनौतिपूर्ण था। लगातार बीमार होने की वजह से परीक्षा पर पूरा ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो रहा था। लेकिन, इस मुश्किल घड़ी में माता-पिता ने हिम्मत बढ़ाई। वर्तमान में प्रतीशा राजेंद्र यूनिवर्सिटी बालांगीर में बतौर गेस्ट फैकल्टी पढ़ा रही हैं। उनका लक्ष्य अकादमिक क्षेत्र में ही पहचान बनाना है।

दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और कुलपति।

एनईपी से सभी समुदाय का विकास होगा : अन्नपूर्णा

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि जगत गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती पर दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाना एक संदेश है कि विद्यार्थी उनकी तरह ही तेजस्वी बनें और अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। उन्होंने कहा कि सीयूजे ने बहुत कम समय में देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में अपनी पहचान बनाई है। यहां दाखिले में छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या अधिक है। शिक्षा मंत्री ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि सीयूजे इसे लागू करनेवाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय है। कहा कि नई शिक्षा नीति में जनजातीय समुदाय को ध्यान में रखकर नीतिगत प्रावधान किए गए हैं। इससे जनजातीय के साथ अन्य समुदाय का भी भला होगा। साथ ही, इसमें बहुविषयक शिक्षा के साथ खेल पर भी ध्यान दिया गया है। विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में खुद को देखें और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें।

जनजातीय विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ाना लक्ष्य

कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व भविष्य की योजनाओं से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जनजातीय विद्यार्थियों का नामांकन अनुपात कम से कम 20 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य है। नई शिक्षा नीति इसी सत्र से लागू किया गया है। जिसके तहत 23 इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम शुरू हुए हैं। इसके अलावा संस्कृत, मनोविज्ञान,अर्थशास्त्र, भूगर्भशास्त्र दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू हो रही है। छात्रों को एक साथ दो पाठ्यक्रम करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा डॉ आंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की भी शुरुआत की गई है। इसमें कवि, दार्शनिक संत भीमा भोई नाम से चेयर होगा। जिन्होंने हिन्दू धर्म में व्याप्त जाति व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज मुखर की थी।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

शिवा चौधरी- बीएड, पल्लवी कुंडू- एमएससी रसायन शास्त्र, प्रतिशा मिश्रा- एमएससी गणित, शक्तिसुधा दास- एमएससी भौतिकी, शिखाश्री- एमएससी लाइफ साइंस, मौमिता साहू- एमए अंग्रेजी, सिमरन कुमारी- एमए पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, वागीशा सिंह- एमए मास कम्युनिकेशन, भवानी कुमारी- एमए हिंदी, आशा कुंकल- एमपीए वोकल म्यूजिक, स्वाति मिश्रा- एमटेक एनर्जी इंजीनियरिंग, अंकित अभिलाष स्वैन- एमएससी एनवायरमेंटल साइंस, नमिता कर्मकार- एमएससी जियो इनफॉर्मेटिक्स, कुंदन कुमार यादव- एमटेक नैनोटेक, एंद्रिला घोष-,एमटेक वीएम, श्रेया- एमबीए, द्रव्येश नासायण पाठक- एलएलएम, समीर मिश्रा- इंटीग्रेटेड एमएससी रसायन शास्त्र, सौरभ कुमार- इंटीग्रेटेड एमएससी गणित, ऋषिका कोनार- इंटीग्रेटेड एमएससी भौतिकी, मधुस्मिता पाला- इंटीग्रेटेड एमएससी लाइफ साइंस, मोनिका रानी- इंटीग्रेटेड एमए अंग्रेजी, नेहा नंदिनी- इंटीग्रेटेड एमए इन मास कम्युनिकेशन, मोनिका सलेस- इंटीग्रेटेड एमटेक एनर्जी इंजीनियरिंग, केशव कुमार ठाकुर- इंटीग्रेटेड एमएससी एनवायरमेंटल साइंस, अलीशा प्रसाद- इंटीग्रेटेड एमटेक जियो इनफॉर्मेटिक्स, स्वीटी मित्रा- इंटीग्रेटेड एमटेक नैनो टेक्नोलॉजी, साकिबुल हुसैन- इंटीग्रेटेड एमटेक डब्ल्यूईएम, ईशान भाटिया- इंटीग्रेटेड एमबीए।

टॉपरों ने कहा

- **शिवा चौधरी, बीएड गोल्ड मेडलिस्ट :** बचपन से ही शिक्षा के क्षेत्र में जाने का आकर्षण मन में था। इसलिए बीएड किया। वर्तमान में संत फ्रांसिस स्कूल में शिक्षक हूं। अपने अनुभव से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना लक्ष्य है।
- **पल्लवी कुंडू, एमएससी केमिस्ट्री गोल्ड मेडलिस्ट :** हाई स्कूल के समय से केमिस्ट्री मेरा प्रिय विषय रहा। इसलिए उच्च शिक्षा के लिए भी इसी विषय को चुना। जियो साइंटिस्ट बनना लक्ष्य है। जीएसआइ परीक्षा की तैयारी में जुटी हुई हूं।
- **शक्ति सुधा दास, एमएससी फिजिक्स गोल्ड मेडलिस्ट :** भौतिकी विषय काफी रोचक है। टॉपर बनूंगी यह नहीं सोचा था। भविष्य में प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हूं। महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में काम करना चाहूंगी।
- **शिखा श्री, एमएससी लाइफ साइंस गोल्ड मेडलिस्ट :** नए विषय के रूप में लाइफ साइंस पढ़ने का मौका मिला। इसी क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्र में जाना है। इसमें मानव जीवन के विकास की अच्छी संभावनाएं हैं।
- **मौमिता साहू, एमए इंग्लिश गोल्ड मेडलिस्ट :** कोरोना के समय परीक्षा देना काफी चुनौतीपूर्ण था। अपनी सफलता से उत्साहित हूं। आगे बीएड करूंगी। इससे शिक्षा के साथ भाषा के विकास में सहयोग करना आसान होगा।
- **सिमरन कुमारी, एमए राजनीतिशास्त्र एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध :** राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास के मुद्दे हमेशा से आकर्षित करते थे। इसलिए यह विषय चुना। अब अपनी शिक्षा दूसरों तक पहुचाना लक्ष्य होगा।

यूजी-पीजी व प्रोफेशनल कोर्स के 28 को गोल्ड, मैथ की टॉपर को मिला चांसलर पदक

नई शिक्षा नीति लागू करने वाला राज्य का पहला विवि सीयूजे बना, 23 विषयों में 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू होगा: अन्नपूर्णा

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री बोलीं- याज्ञवल्क्य संग गार्गी भी दे रहीं भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में योगदान

एजुकेशन रिपोर्टर, रांची

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने यूजी-पीजी और पीएचडी उपाधि धारकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जगतगुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के दिन कन्वोकेशन का आयोजन यह संदेश देता है कि स्टूडेंट्स उनकी तरह ही तेजस्वी बनें। साथ ही जगत में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। यहां छात्रों के साथ बड़ी संख्या में छात्राएं भी अध्ययन कर रही हैं जो यह दर्शाता है कि याज्ञवल्क्य के साथ ही गार्गी भी भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रही हैं। यह गर्व का विषय है कि झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला झारखंड का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। वे बतौर मुख्य अतिथि शुक्रवार को सीयूजे के दूसरे कन्वोकेशन में उपस्थित छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सीयूजे में इसी सेशन से 23 विषयों में 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू हो रहा है। उन्होंने यूजी-पीजी, पीएचडी समेत अन्य प्रोफेशनल कोर्सों के 28 टॉपरों को गोल्ड मेडल दिया। वहीं, गणित विभाग की टॉपर विजेता प्रतीशा को चांसलर मेडल प्रदान किया। इस अवसर पर पासआउट 704 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। इससे पहले कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास अतिथियों का स्वागत करते हुए यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। रजिस्ट्रार प्रो. एसएल हरि कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर रांची विवि की कुलपति प्रो. कामिनी कुमार, विधायक समरी लाल, डॉ. रत्नेश विश्वकसेन, नरेंद्र कुमार समेत शिक्षक, एचओडी और डीन उपस्थित थे।

सुनहरी चमक... गोल्ड मेडल पाकर सीयूजे की छात्राओं की खुशी देखते ही बन रही थी, परंपरागत कपड़ों में सभी ने देर तक फोटो सेशन कराया।

आसमानी रंग की परंपरागत ड्रेस में शामिल हुए स्टूडेंट्स

दीक्षांत समरोह में सभी प्रतिभागी परंपरागत ड्रेस में शामिल हुए। छात्र-छात्राओं, अकादमिक परिषद के सदस्य विवि द्वारा तय परंपरागत ड्रेस में शामिल हुए। यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से सभी प्रतिभागियों को सूती से बने दीक्षांत उत्तरीय प्रदान किया गया था। उपाधि लेने वाले यूजी-पीजी की छात्राएं आसमानी रंग की साड़ी या सलवार कमीज पहने चहक रही थीं। वहीं, छात्र आसमानी शर्ट और डार्क पैंट में उपाधि लेने आए थे। पीएचडी धारक छात्राएं सफेद साड़ी या सलवार कमीज और कोरल रंग की बंडी में थीं। वहीं पीएचडी छात्र सफेद शर्ट, डार्क पैंट और कोरल रंग की बंडी में उत्साहित नजर आ रहे थे।

वीसी बोले- विवि में दो नए रिसर्च सेंटर स्थापित हुए

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीसी प्रो. क्षिति भूषण दास ने कहा कि विवि द्वारा डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की गई है। दो नए शोध केंद्र भी यहां स्थापित किए गए हैं, जिसमें बिरसा मुंडा सेंटर ऑफ इंडिजिनस नॉलेज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट और सेंटर फॉर एनवायरनमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस शामिल हैं। रजिस्ट्रार प्रो. एसएल हरि कुमार के नेतृत्व में दीक्षांत परेड निकाला गया, जिसमें सारे सदस्य शामिल थे।

छात्रा को डिग्री प्रदान करतीं अन्नपूर्णा देवी, साथ में सीयूजे के कुलपति व रजिस्ट्रार।

यू-ट्यूब पर हुआ सीधा प्रसारण : दीक्षांत समारोह में उपाधि लेने वाले छात्रों के परिजनों को इंट्री मिली थी। इसके अलावा स्थानीय जन प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था। वहीं, अन्य लोगों के लिए यू-ट्यूब से दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।

गोल्ड मेडलिस्ट...

नाम : इशान भाटिया
कोर्स : एमबीए
आदर्श : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, करियर: रिलायंस में कार्यरत

नाम : स्वीटी मित्रा
कोर्स : नैनो टेक्नोलॉजी
आदर्श : डॉ. कलाम
करियर : स्टार्टअप

नाम : समीर मिश्रा
कोर्स : पीजी केमेस्ट्री
आदर्श : मेरे पिता
करियर : आईएएस

नाम : श्रेया
कोर्स : एमबीए
करियर : प्रबंधन के क्षेत्र में

नाम : अलीशा प्रसाद कोर्स : जियोइनफॉर्मेटिक
करियर : पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय को बनाएंगे सेंटर आफ एक्सीलेंस

डा. क्षिति भूषण दास, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड।

सप्ताह का साक्षात्कार

- आदिवासी बच्चों का कम से कम 20 प्रतिशत नामांकन बढ़ाने का लक्ष्य
- सात नए विषयों की पढाई इस सत्र से, वोकेशनल कोर्स से होगा फायदा

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 को राज्य में सबसे पहले लागू करने के लेकर तमाम सकारात्मक गतिविधियों का पिछले एक साल से केंद्र बना हुआ है। इसके पीछे झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के नए **कुलपति डा. क्षिति भूषण दास** का महत्वपूर्ण योगदान है। वह सेंट्रल यूनिवर्सिटी, ओडिशा, इग्नू व उत्कल विश्वविद्यालय में वरिष्ठ पदों पर रहे हैं। वाणिज्य विषय के प्रोफेसर की हैसियत से कई विश्वविद्यालयों में राष्ट्रपति के नामिनी के रूप में काम करने का भी उनके पास विशाल अनुभव है। शोध और लेखन के क्षेत्र में उन्होंने जबरदस्त काम किया है। दास छत्तीसगढ़ सरकार के योजना सलाहकार भी रहे हैं। फिलहाल वह केंद्रीय विश्वविद्यालय को झारखंड के युवाओं के लिए हितकारी बनाने की कोशिश में लगे हैं। विश्वविद्यालय की वर्तमान और भविष्य की योजनाओं, चुनौतियों पर उनसे खास बातचीत की दैनिक जागरण के राज्य ब्यूरो प्रभारी **प्रदीप सिंह** ने।

●केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड को लेकर कई नकारात्मक बातें पूर्व में आती रही है। विवि की पहचान बदलने की दिशा में क्या काम हो रहा है?

-देखिए, विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के 13 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस बात में सच्चाई है कि हम इन वर्षों में अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। मैं पीछे मुड़कर देखने के बदले आगे बढ़ने में विश्वास करता हूं। एक साल के कार्यकाल में सिस्टम की कमियों को दूर करने के साथ ही मैंने विश्वविद्यालय को सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाने की दिशा में काम शुरु कर दिया है। कई साहसिक फैसले लिए हैं। रुके हुए कार्यों को तेज गति से निपटाने की शुरुआत की है। हमारा कामकाज अब स्थायी कैंपस में चल रहा है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय संस्थागत विकास योजना के दहलीज पर है। हम अगले 25 साल में देश को सुपर नालेज इकोनामी में बदलने के लक्ष्य के अनुसार काम कर रहे हैं। अगले कुछ वर्षों में आपको बदलाव नजर आने लगेगा। हमने सफलतापूर्वक पिछले एक साल में कई राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए हैं। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रधानमंत्री के सलाहकार अमित खरे सहित शिक्षा क्षेत्र के कई दिग्गज हमारे कैंपस में आए और हमारा उत्साह बढ़ाया। मैं टीमवर्क, टाइमलाइन ट्रांसपेरेंसी में विश्वास रखता हूं। इसका असर हर हाल में होता है।

●राज्य का आम आदमी इस विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद बहुत खुश हुआ था। इनको ध्यान में रखकर आप क्या खास करनेवाले हैं?

-आपने बिल्कुल सही कहा। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय राज्य के साढे. तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं का हिस्सा है। स्थानीय विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलना ही चाहिए। इसका पूरा ख्याल मेरे मन में है। मैंने कुलपति का पद संभालते हुए कई बदलावों पर काम शुरू किया। हमारे यहां ऐसे कोर्स नहीं थे, जिनमें झारखंड के बच्चों की रुचि होती। इतिहास और संस्कृति, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, संस्कृत सहित ऐसे सात विषयों की पढ़ाई नए सत्र से शुरु होने जा रही है। इनकी पढ़ाई के लिए अब बच्चों को अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं है। हमने डिग्री से लेकर डाक्टरेट तक के हर विषय और कार्यक्रमों में आदिवासी छात्र छात्राओं के नामांकन को कम से कम 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इससे उनकी क्षमता को बेहतर प्लेटफार्म मिलेगा। उन्हें शैक्षणिक रूप से और सशक्त बनाने में आसानी होगी। केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड राज्य के हाई स्कूल के शिक्षकों के क्षमता उन्नयन के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम और छात्रों के मोटिवेशन लेवल को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम शुरु करने का फैसला किया है।

●झारखंड के बच्चों में स्किल बेस्ड कोर्स करने की इच्छा देखी जाती है। नई शिक्षा नीति में भी इस पर खास फोकस है। आपकी क्या योजना है?

-मेरी पूरी कोशिश छात्रों को सशक्त बनाने वाले कार्यों के प्रति है। आप जल्दी ही हमारे विश्वविद्यालय में कई नए वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई होते देखेंगे। इसको लेकर विस्तृत कार्य योजना पर काम चल रहा है। खासतौर पर नर्सिंग और होटल मैनेजमेंट जैसे विषयों की पढ़ाई शुरु की जाएगी। हमारे राज्य की बच्चे-बच्चियां दूसरे राज्यों में नर्सिंग और पारा मेडिकल की पढ़ाई करने जाते हैं। होटल मैनेजमेंट में भी रोजगार की असीम संभावानाएं हैं।

हमारी कोशिश है कि झारखंड के बच्चों को कम खर्च पर बेहतरीन शैक्षणिक माहौल देना है, ताकि इन्हें रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़े। हमारे विश्वविद्यालय के पुराने कैंपस में वोकेशनल विषयों की पढ़ाई कराने पर विचार चल रहा है। बेहतरीन फैकल्टी इनकी क्षमता का विकास करेंगे और इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार करेंगे। हम अपने यहां स्टार्टअप के लिए भी इको सिस्टम तैयार करने पर काम कर रहे हैं। एग्री बिजनेस और वनोत्पाद के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। हम इसके लिए अपने छात्रों को तैयार करेंगे। कहा कि रिसर्च सचमुच किसी विवि की रीढ़ होती है।